सांध्य दैनिक

4PM

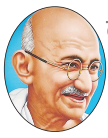

कमजोर कभी क्षमाशील नहीं हो सकता है। क्षमाशीलता ताकतवर की निशानी है।
-महात्मा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 223 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 22 सितम्बर, 2022

बीएमसी चुनाव पर उद्धव की... 7
लोक सभा चुनाव से पहले... 3
किसानों को सिंचाई के लिए... 2

योगी के हेल्थ मिनिस्टर और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक पर इतना हमलावर क्यों हैं अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रणनीति के तहत सपा प्रमुख ने विधान सभा में उपमुख्यमंत्री को बनाया निशाना

बृजेश पाठक की छापेमारी का जिक्र कर दिया संदेश कि सरकार में चल रही गुटबाजी

सियासी गलियारों में फिर गर्म हुई सीएम और उपमुख्यमंत्री के बीच शीत युद्ध की चर्चा

छापों के जरिए स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सा सेवाओं की पोल खोल कर अपनी ही सरकार को खड़ा किया कठघरे में

लखनऊ। विधान सभा में इस बार एक नया नजारा देखने को मिला। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव सीएम योगी की जगह डिप्टी सीएम बृजेश पाठक पर बेहद हमलावर रहे। राजनीतिक गलियारों में इस बात की बहुत चर्चा हो रही है कि आखिर अखिलेश के इतने गुस्से का कारण क्या है? क्या यह रणनीति के तहत किया गया या बृजेश पाठक के सपा पर हमलावर होने का नतीजा है।

दरअसल, पिछले दिनों डिप्टी सीएम बृजेश पाठक अपनी कार्यशैली को लेकर प्रदेश में हीरो बन गए थे। जिस प्रकार उन्होंने अस्पतालों में छापे मारे और जमीन पर बैठकर जनता का दुख-दर्द सुना उससे उनकी पूरे प्रदेश में जमकर तारीफ हुई। जनता ने कहा कि मंत्री ऐसा ही होना चाहिए जैसा बृजेश पाठक हैं। जब बृजेश पाठक ने अपने ही विभाग में तबादलों को लेकर सवाल खड़े किए तो सनसनी फैल गई। बृजेश पाठक ने कई जिलों के अस्पतालों में व्याप्त अव्यवस्था को लेकर सरकार की पोल खोल दी कि यहां सालों से डॉक्टर नहीं आ रहे हैं और व्यवस्था बेहद खराब है। एक तरह से उन्होंने योगी सरकार के पार्ट वन को ही कटघरे में खड़ा कर दिया। इसके अलावा उन्होंने समाजवादी पार्टी पर पिछले दिनों बहुत तीखे हमले किए। सदन में अखिलेश यादव ने इसी कारण बृजेश पाठक को निशाने पर लिया।

बृजेश पाठक पर हमला करके अखिलेश यादव ये संदेश देना चाहते थे कि सीएम योगी और डिप्टी सीएम के बीच सब-कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हकीकत भी यही है। अखिलेश की रणनीति है कि विधान सभा में बोलकर इस संदेश को नीचे तक फैलाया जाए कि भाजपा के अंदर गुटबाजी चल रही है। इसके लिए उन्होंने बृजेश पाठक के छापों का जिक्र करते हुए कहा कि छापा मारने पर भी कोई कार्रवाई नहीं होती है। यही नहीं उन्होंने कहा कि दोनों डिप्टी सीएम का बजट कम कर दिया गया। क्या मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के बीच सब कुछ सही नहीं चल रहा था। कुछ हद तक इसमें वे कामयाब भी हो गए।

लखनऊ से दिल्ली तक बढ़ा डिप्टी सीएम का कद

जनता के बीच एक बार फिर सीएम और उनके दोनों डिप्टी सीएम के बीच चल रहे शीत युद्ध की चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि इस तकरार से फायदा बृजेश पाठक को भी हुआ। जनता के बीच संदेश गया के सपा सबसे ज्यादा बृजेश पाठक को ही निशाने पर ले रही है और इससे लखनऊ से लेकर दिल्ली तक बृजेश पाठक का ही कद बढ़ा है।

टेरर फंडिंग पर एनआईए का बड़ा एक्शन

यूपी समेत कई राज्यों में पीएफआई के ठिकानों पर छापेमारी

» **प्रमुख नेताओं समेत 106 को किया गया गिरफ्तार**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टेरर फंडिंग मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के नेतृत्व में यूपी समेत कई राज्यों में आज पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के ठिकानों पर छापेमारी की गई। पीएफआई के 106 कार्यकर्ताओं को देश में आतंकी गतिविधियों का कथित रूप से समर्थन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

एनआईए, ईडी और राज्य पुलिस की संयुक्त टीम ने केरल से 22, कर्नाटक से 20, महाराष्ट्र से 20, आंध्र प्रदेश से पांच,

असम से नौ , दिल्ली से तीन, मध्य प्रदेश से चार, पुडुचेरी से तीन, राजस्थान से दो, तमिलनाडु से दस और यूपी से आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पीएफआई के कुछ प्रमुख नेता भी शामिल हैं। ये तलाशी टेरर फंडिंग, ट्रेनिंग कैंप और प्रतिबंधित संगठनों में शामिल होने के लिए लोगों को कट्टरपंथी बनाने को लेकर की गई।

विधान सभा में गूंजी महिला जनप्रतिनिधियों की आवाज

महिला विधायकों ने उठाए महंगाई और कानून व्यवस्था पर सवाल

» **कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा और सपा की रागिनी ने सरकार को घेरा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानमंडल सत्र में आज इतिहास रचा गया। सत्र पूरी तरह दोनों सदनों की महिला सदस्यों के नाम रहा। विधान सभा में महिला जनप्रतिनिधियों ने सरकार के सामने कई सवाल उठाए।

सदन में कांग्रेस विधायक आराधना

मिश्रा ने कहा कि मैं मंहगाई का मुद्दा उठा रही हूं। घर का बजट महिलाओं को संभालना होता है। तेल, गैस सब का दाम बढ़ गए हैं। सपा विधायक डॉ. रागिनी ने महिलाओं के साथ अपराधों के मुद्दे को उठाया। इस पर सुरेश खन्ना ने कहा कि पिछली सरकारों की तुलना में हमने कानून व्यवस्था को बेहतर किया है। महिला अपराधों में कमी लाने का काम किया है। खन्ना के जवाब के बाद रागिनी ने कहा कि थानों में वसूली भाई बैठे हैं। क्या जिन थानों में लापरवाही की गई, उन अधिकारियों के खिलाफ सरकार कार्रवाई करेगी? इस पर खन्ना ने कहा, जरूर कार्रवाई की जाएगी। विपक्ष की महिला विधायकों ने सरकार पर जमकर सवाल दागे। इस दौरान दर्शक दीर्घा में छात्राएं भी मौजूद रहीं।

किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली नहीं मिलेगी : ऊर्जा मंत्री

» किसानों को सिंचाई के लिए 88 प्रतिशत सब्सिडी पर बिजली दे रही सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली नहीं मिलेगी। विधानसभा में सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने के सवाल के जवाब में ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि सरकार किसानों को सिंचाई के लिए 88 प्रतिशत सब्सिडी पर बिजली दे रही है। विपक्ष के सदस्यों के स्थिति स्पष्ट करने की मांग पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि ऊर्जा मंत्री कह चुके है कि मुफ्त बिजली नहीं दे सकते है।

ऊर्जा मंत्री ने भी सवाल के लिखित जवाब में कहा है कि मुफ्त बिजली देने पर विचार करने का प्रश्न ही नहीं उठता है। विधानसभा में रालोद के सदस्य अजय कुमार और सपा के जियाउर्रहमान ने किसानों की फसल लागत कम करने और आय में वृद्धि के लिए नलकूपों पर मुफ्त बिजली देने का मुद्दा उठाया। अजय कुमार ने कहा कि सरकार ने 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था। लेकिन डीजल, यूरिया, बीज और खाद के दाम बढ़ने से किसान बदहाल है। ऐसे में किसानों को मुफ्त बिजली देनी चाहिए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि किसानों की फसल उत्पादन लागत को कम करने के लिए सरकार बिजली की प्रचलित दरों और टैरिफ 750 रुपये प्रति हार्सपावर प्रतिमाह के मात्र 85 रुपये प्रति हार्सपावर प्रतिमाह ले रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि कनेक्शन पर 88.19 प्रतिशत की सब्सिडी से बिजली आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में निजी नलकूपों के लिए 7,097 करोड़ रुपये का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि अप्रैल से 18 सितंबर तक 23169 नलकूप पर विद्युत कनेक्शन दिए गए हैं। 7.5 हार्सपावर तक के नलकूप पर सोलर पंप लगाने पर 60 फीसदी तक सब्सिडी दी जा रही है।

गन्ना किसानों के बकाया भुगतान पर घिरे मंत्री

गन्ना किसानों के बकाया गन्ना मूल्य और किसानों को गन्ना मूल्य का समय पर भुगतान नहीं करने वाली चीनी मिलों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के मुद्दे पर विपक्ष ने गन्ना विकास मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण को घेरा। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार वादे के मुताबिक गन्ना किसानों को 14 दिन में गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं करा सकी है ना ही ब्याज भी नहीं दिला सकी है। विधानसभा में बुधवार को सपा विधायक पंकज कुमार मलिक और रालोद विधायक प्रसन्न कुमार ने चीनी मिलों में गन्ना किसानों को समय पर भुगतान नहीं होने केसवाल पर जवाब मांगा। पंकज मलिक ने आरोप लगाया कि मोदी मिल पर 571 करोड़ रुपये बकाया है। शामली और थानाभवन चीनी मिल पर भी करोड़ों रुपये का भुगतान बकाया है। उन्होंने कहा कि सरकार पूंजीपतियों के साथ खड़ी है। किसानों पर यदि बकाया होता है उनके घर पर पुलिस भेजी जाती है वहीं चीनी मिलों का बचाव किया जाता है।

मुसलमानों के खिलाफ हैं ओवैसी : केशव मौर्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» वक्फ संपत्ति सर्वे को एनआरसी बताने पर डिप्टी सीएम का पलटवार

लखनऊ। प्रदेश सरकार द्वारा सात अप्रैल 1989 के एक आदेश की आड़ में सार्वजनिक सम्पत्तियों को राजस्व रिकॉर्ड में बतौर वक्फ दर्ज करवाए जाने के मामलों की जांच के नए आदेश से सियासत गरमा गई है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि वक्फ की संपत्ति पर अवैध कब्जे बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

वहीं सांसद असदउद्दीन के बयान पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य ने कहा है कि ओवैसी देश व प्रदेश के मुसलमानों के हितरक्षक नहीं हैं वह मुसलमानों के खिलाफ हैं। उधर आल इण्डिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद असद्उद्दीन ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार की नजर वक्फ सम्पत्तियों पर है। वक्फ सम्पत्तियों की जांच एनआरसी सरीखी है। उन्होंने सवाल उठाया कि वक्फ सम्पत्तियों की जांच क्यों करवाई जा रही है? पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने कहा है कि वक्फ सम्पत्ति पर जो लोग काबिज हैं, उनसे सम्पत्ति को मुक्त करवाना चाहिए। अगर भ्रष्टाचार हुआ है तो उसकी भी जांच होनी चाहिए। प्रदेश सरकार की नीयत में खोट है। नीयत साफ होनी चाहिए। पार्टी के नेता वसीम वकार ने सवाल उठाया है कि धर्मशालाओं, मंदिरों, मठ, आश्रम आदि की सम्पत्तियों की भी जांच होनी चाहिए वहां भी गड़बड़ी बड़े पैमाने पर हुई है।

शिक्षामित्रों के मुद्दे पर सपा ने सरकार को घेरा

» समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान परिषद में समाजवादी पार्टी ने शिक्षामित्रों का मुद्दा उठाया। सपा ने समान कार्य के लिए समान वेतन दिए जाने की मांग करते हुए कहा कि भाजपा सरकार शिक्षामित्रों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। न्यायिक प्रक्रिया में शिक्षामित्रों का सहायक अध्यापक पद पर हुए समायोजन को उचित नहीं माना था, किंतु उनके सेवाकाल को देखते हुए सरकार मानदेय बढ़ा सकती है।

बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षामित्रों के हित में सरकार निर्णय करेगी। सरकार से कोई ठोस आश्वासन न मिलने पर सपा सदन से बहिर्गमन कर दिया। सपा के लाल बिहारी यादव, आशुतोष सिन्हा व डा. मान सिंह यादव ने कार्यस्थगन प्रस्ताव के रूप में शिक्षामित्रों का मुद्दा उठाया। आशुतोष सिन्हा ने कहा कि शिक्षामित्रों की नियुक्ति उस समय हुई थी जब शिक्षकों की कमी के कारण बेसिक शिक्षा के स्कूलों में ताले लग गए थे। शिक्षामित्रों को इस महंगाई में भी मात्र 10 हजार रुपये प्रति माह मिल रहा है। सरकार अध्यादेश लाकर शिक्षामित्रों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की छूट दे सकती है। मान सिंह यादव ने कहा कि अब तक चार हजार से अधिक शिक्षामित्र अपनी जान गंवा चुके हैं। एक शिक्षा मित्र ने तो अपने खून से सरकार को पत्र लिखा था, फिर भी इस समस्या का हल नहीं निकला। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने कहा कि मिशन कायाकल्प से परिषदीय विद्यालयों की सूरत बदल गई है। उन्होंने विभाग की कई और उपलब्धियां गिनाईं तो सपा सदस्य खड़े हो गए और कहा कि सरकार शिक्षामित्रों के मुद्दे को भटका रही है। हम सरकार की उपलब्धियां सुनने नहीं आए हैं। सपा सदस्यों ने सदन का बहिर्गमन कर दिया। सपा सदस्यों के बाहर जाने के बाद मंत्री संदीप सिंह ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि कोर्ट के आदेश पर ही सहायक अध्यापक से वापस शिक्षामित्र बनाए गए हैं।

आजम खां के स्वास्थ्य की जांच करेगा मेडिकल बोर्ड

» 23 सितंबर को सीएमओ पेश करेंगे कोर्ट में रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। खराब सेहत का हवाला देकर आजम खां कोर्ट नहीं पहुंचे। उनके अधिवक्ता ने कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया कि उनकी सेहत खराब है, वो व्यक्तिगत रूप से हाजिर नहीं हो सकते। इस पर कोर्ट ने सीएमओ को मेडिकल बोर्ड का गठन करके आजम खां के सेहत की जांच कर रिपोर्ट 23 सितंबर को तलब की है।

आजम खां के खिलाफ 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान मिलक कोतवाली में भड़काऊ भाषण देने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। आजम खां के भाषण का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसके आधार पर वीडियो अवलोकन टीम के प्रभारी अनिल कुमार चौहान ने मिलक कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। विवेचना के बाद पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। इस मामले में आजम खां जमानत पर चल रहे हैं। मुकदमे की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चल रही है। इस मामले में विवेचक सहित पांच गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने 21 सितंबर को आजम खां को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने का आदेश दिया था। बुधवार को सुनवाई के दौरान आजम खां के अधिवक्ता की ओर से हाजिरी माफी प्रार्थनापत्र और सेहत से संबंधित दस्तावेज दाखिल किए। कहा कि आजम खां की तबीयत खराब है वो कोर्ट में उपस्थित नहीं हो सकते। कोर्ट ने सुनवाई करते सीएमओ को मेडिकल बोर्ड गठित कर जांच रिपोर्ट 23 सितंबर को पेश करने के आदेश दिए हैं। अगली सुनवाई 23 सितंबर को होगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

वक्फ की जमीन से कब्जे हटाकर स्कूल बनवाएगी यूपी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार वक्फ की जमीन पर हुए अनाधिकृत निजी कब्जे हटाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए 33 साल पुराना आदेश रद्द करते हुए वक्फ में दर्ज सरकारी जमीन का परीक्षण करने का आदेश दिया गया है।

इस मसले पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ने कहा है कि ऐसी जमीन को मुक्त कराकर अस्पताल, स्कूल आदि बनाए जाएंगे। प्रदेश सरकार ने आदेश दिया है कि यदि कोई सार्वजनिक जमीन वक्फ संपत्ति में दर्ज कर ली गई है तो उसे रद्द कर राजस्व विभाग में मूल स्वरूप में दर्ज किया जाए। इस आदेश के परिप्रेक्ष्य में सभी मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों से ऐसे भूखंडों की सूचना एक माह में मांगी गई है। दरअसल 07 अप्रैल, 1989 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा जारी आदेश में कहा गया था कि यदि सामान्य संपत्ति बंजर, भीटा, ऊसर आदि भूमि का इस्तेमाल वक्फ (मसलन कब्रिस्तान, मस्जिद, ईदगाह) के रूप में किया जा रहा हो तो उसे वक्फ संपत्ति के रूप में ही दर्ज कर दिया जाए। इस आदेश के तहत प्रदेश में लाखों हेक्टेयर बंजर, भीटा, ऊसर भूमि वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज कर ली गई। दरअसल सरकार की मंशा है कि वर्तमान में सरकारी जमीन यदि वक्फ में दर्ज है, लेकिन उसका सार्वजनिक उपयोग हो रहा है।

लोक सभा चुनाव से पहले भाजपा से फिर बढ़ने लगीं राजभर की नजदीकियां

» सुभासपा प्रमुख लगातार कर रहे सीएम योगी की तारीफ सियासी चर्चा गर्म

» सपा से नाता तोड़ने के बाद बेहतर साथी खोज रही है सुभासपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव से पहले प्रदेश में एक बार फिर सियासी बिछात बिछने लगी है। सपा से नाता तोड़कर अलग हो चुके सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर एक बार फिर भाजपा के साथ नजदीकियां बढ़ाने लगे हैं। राजभर ने एक तरफ अखिलेश यादव के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है तो दूसरी तरफ योगी के साथ मुलाकात कर रहे हैं। यही नहीं वे भाजपा के खिलाफ तीखे हमलों से भी बच रहे हैं। साथ ही सीएम योगी की शान में कसीदे भी पढ़ रहे हैं। ऐसे में सियासी गलियारों में चर्चा तेज हो गई है कि क्या राजभर फिर से भाजपा से हाथ मिलाएंगे?

सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर भले ही सीएम योगी से मिलने को शिष्टाचार मुलाकात बता रहे हो लेकिन इसके सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक लोक सभा चुनाव को लेकर दोनों नेताओं के बीच बात हुई है। भाजपा ने 2024 के लोक सभा चुनाव में यूपी की 80 में से 80 सीटें जीतने का टारगेट रखा है। वहीं, बिहार के सियासी बदलाव के बाद नीतीश कुमार विपक्षी दलों को एकजुट करने में लगे हैं। नीतीश कुमार की सक्रियता को देखते हुए ओपी राजभर और सीएम योगी की मुलाकात को खास माना जा रहा है। ओम प्रकाश राजभर के बेटे और सुभासपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण राजभर ने बताया कि मंगलवार की देर रात सीएम योगी से ओपी राजभर की मुलाकात हुई है। ओम प्रकाश राजभर ने राजभर जाति के लिए शेड्यूल ट्राइब का स्टेटस मांगा है। ओम प्रकाश राजभर के मुताबिक, योगी आदित्यनाथ ने मुलाकात के बाद राजभर जातियों को जनजातीय समुदाय में शामिल करने का प्रपोजल बनाकर केंद्र को भेजने का भरोसा दिया है। इसके अलावा ओम प्रकाश राजभर ने 50 साल से सरकारी जमीनों पर बसे हुए गरीबों के घरों पर बुलडोजर न चलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जिले के अधिकारी अब ऐसे सरकारी जमीनों पर नोटिस दे रहे हैं, जिस पर भूमिहीन गरीब पिछड़े समुदाय के लोग दशकों से बसे हुए हैं। उन्हें उजाड़ा नहीं जाए।

बिहार में अतिपिछड़ों पर नजर

सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर इन दिनों बिहार में सक्रिय हैं। वह बिहार सरकार पर जातिवार जनगणना कराने का दबाव रैलियों के माध्यम से बनाते हुए अति पिछड़ों में पैठ बनाने की कोशिश में हैं। राजभर की बिहार में सक्रियता के राजनीतिक निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। माना जा रहा है कि उनका बिहार अभियान अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा को मजबूत करने के लिए है।

सपा से तोड़ चुके हैं नाता

विधान सभा चुनाव परिणामों के बाद ओम प्रकाश राजभर ने सपा गठबंधन से नाता तोड़ लिया है। राष्ट्रपति चुनाव के दौरान अघोषित रूप से भाजपा के साथ राजभर घुलमिल चुके हैं और अखिलेश को लेकर मोर्चा खोल रखा है। सपा से अलग होने के बाद राजभर 2024 के लोक सभा चुनाव में एक मजबूत ठिकाना तलाश रहे हैं क्योंकि उनकी पार्टी के नेता लगातार उनसे दूर हो रहे हैं। इतना ही नहीं सपा से अलग होने के बाद राजभर ने खुले तौर पर बसपा के साथ गठबंधन करने की बात कही थी, लेकिन मायावती ने उन्हें कोई खास तवज्जो नहीं दी। इसके बाद राजभर की भाजपा नेताओं के साथ लगातार नजदीकियां बढ़ने लगी हैं।

अब बदल गए सुर

ओम प्रकाश राजभर योगी आदित्यनाथ पर पिछड़ा विरोधी होने का आरोप लगाकर 2019 के लोक सभा चुनाव के बाद भाजपा से अलग हो गए थे। इसके बाद राजभर ने सीएम योगी के बारे में बहुत कुछ कहा लेकिन अब उनके सुर बदल गए हैं। ओपी राजभर ने पिछले दिनों कहा था कि सीएम योगी आदित्यनाथ ईमानदार हैं, लेकिन कुछ अधिकारी हैं जो सरकार की छवि को मिट्टी में मिलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि योगी सरकार में व्यापारी सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

अखिलेश के फेर में फंसी बसपा मुखिया!

मायावती ने कभी तारीफ के पुल बांधे तो कभी कमजोरियां गिनाईं

» अब बोलीं, सपा कमजोर, ये भाजपा का सामना करने में सक्षम नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के फेर में बसपा मुखिया मायावती फंस गई हैं। सपा को इशारों-इशारों में समर्थन देने वाली बसपा प्रमुख मायावती अगले ही दिन पलट गई। उन्होंने सपा को काफी लाचार और कमजोर बताया जबकि एक दिन पहले मायावती ने ट्वीट कर कहा था कि धरना प्रदर्शन की अनुमति न देना सरकार की तानाशाही है। जिस पर माना जा रहा था कि सपा की विधान सभा के लिए निकली पैदल यात्रा को रोके जाने पर बसपा प्रमुख ने सरकार पर निशाना साधा है। बुधवार को ट्वीट कर उन्होंने सपा को कमजोर करार दिया।

उन्होंने ट्वीट किया कि भाजपा की घोर जातिवादी, साम्प्रदायिक व जनविरोधी नीतियों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश की सेक्युलर शक्तियों ने सपा को वोट देकर यहां प्रमुख विपक्षी पार्टी तो बना दिया किन्तु यह पार्टी भाजपा को कड़ी टक्कर देने में विफल साबित होती हुई साफ दिख रही है, क्यों? एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि यही कारण है कि भाजपा सरकार को यूपी की करोड़ों जनता के हित व कल्याण के विरुद्ध पूरी तरह से निरंकुश व जनविरोधी सोच व कार्यशैली के साथ काम करने की छूट मिली हुई है।

विधान सभा में भी भारी संख्या बल होने के बावजूद सरकार के विरुद्ध सपा काफी लाचार व कमजोर दिखती है जो कि अति चिन्तनीय है। मायावती के मंगलवार को किए गए ट्वीट ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी थी, जिसमें उन्होंने सपा के पैदल मार्च को रोकने पर योगी सरकार को आड़े हाथों लिया था। उधर, यूपी-उत्तराखंड, पंजाब में हुए विधान सभा चुनाव में बसपा को हार का सामना करना पड़ा। दलित-ब्राह्मण-मुस्लिम कार्ड पर चुनाव लड़ने वाली बसपा ने अब यूथ पर फोकस करने की रणनीति बनाई है। साथ ही जनाधार बढ़ाने के लिए दक्षिण भारत की ओर भी कदम बढ़ाया है। मायावती ने अपने भतीजे व पार्टी के नेशनल कॉर्डिनेटर आकाश आनंद को आगे किया है।

यूपी चुनाव में मिली सिर्फ एक सीट

10 मार्च 2022 को जब यूपी विधान सभा चुनाव के परिणाम घोषित हुए तो बसपा को सिर्फ एक सीट हासिल हुई और पार्टी ने 12.8 फीसदी वोट हासिल किए। मायावती ने तब बसपा की इस हार का कारण राज्य में ध्रुवीकरण के कारण पार्टी छोड़ने वाले मुसलमानों को बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि पार्टी ने इससे सबक सीखा है और अपनी रणनीति बदलेगी। मायावती और उनकी पार्टी ने अब तक मुसलमानों से संबंधित मुद्दों पर 21 बार बयान दिए हैं। चुनाव से पहले छह महीने की अवधि में उन्होंने मुस्लिम समुदाय से संबंधित मुद्दों को सिर्फ आठ बार उठाया था।

गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में टीम ने तैयार की रणनीति

कांशीराम-मायावती की बसपा ने अब युवा नेतृत्व की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। इसके लिए बसपा प्रमुख ने अपने भतीजे आकाश आनंद पर भरोसा जताया है। पार्टी में नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद अभी तक पर्दे के पीछे रहकर राजनीति कर रहे थे। 2019 में नेशनल कोऑर्डिनेटर बनने के बाद अब उन्हें तीन राज्यों के चुनाव की कमान सौंपी गई है। ऐसे में बसपा में जहां युवा नेतृत्व की झलक दिखेगी वहीं अब आकाश भी फ्रंट पर राजनीति करेंगे। गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में विधान सभा चुनाव नजदीक हैं। इसको लेकर बसपा इन राज्यों में चुनावी तैयारियों में जुटी है। सूत्रों के मुताबिक इसके बाद बसपा प्रमुख ने तीनों राज्यों के चुनाव की कमान भतीजे आकाश आनंद को सौंप दी। ऐसे में राम जी गौतम आकाश आनंद की देखरेख में इन राज्यों में संगठन और आगामी चुनाव का काम देखेंगे।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

परिषदीय स्कूलों में सुधार की दरकार

सरकार के तमाम दावों और ऑपरेशन कायाकल्प के बाद भी परिषदीय स्कूलों की हालत में सुधार होता नहीं दिख रहा है। ये स्कूल बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे हैं। एक ओर बच्चे आधी-अधूरी पुस्तकों से पढ़ने को मजबूर हैं तो दूसरी ओर छात्रों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों की बेहद कमी है। इसकी पुष्टि खुद प्रदेश सरकार कर रही है। उसके मुताबिक परिषदीय स्कूलों में करीब 63 हजार शिक्षकों के पद खाली हैं।

सरकार के तमाम दावों और ऑपरेशन कायाकल्प के बाद भी परिषदीय स्कूलों की हालत में सुधार होता नहीं दिख रहा है। ये स्कूल बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे हैं। एक ओर बच्चे आधी-अधूरी पुस्तकों से पढ़ने को मजबूर हैं तो दूसरी ओर छात्रों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों की बेहद कमी है। इसकी पुष्टि खुद प्रदेश सरकार कर रही है। उसके मुताबिक परिषदीय स्कूलों में करीब 63 हजार शिक्षकों के पद खाली हैं। लिहाजा फ्री ड्रेस, किताबें व मिड-डे-मील जैसी योजनाओं के बाद भी अभिभावक इन स्कूलों में अपने बच्चों को भेजने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। सवाल यह है कि परिषदीय स्कूलों की व्यवस्था को दुरुस्त क्यों नहीं किया जा रहा है? बेसिक शिक्षा विभाग आखिर क्या कर रहा है? शिक्षकों के रिक्त पदों में भर्ती में कोताही क्यों की जा रही है? क्या शिक्षामित्रों के भरोसे गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लक्ष्य को पूरा किया जा सकता है? पर्याप्त बजट के बावजूद स्कूल बुनियादी सुविधाओं के लिए क्यों जूझ रहे हैं? क्या प्रदेश के बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने की जिम्मेदारी सरकार की नहीं है?

प्रदेश में करीब एक लाख चालीस हजार परिषदीय स्कूल हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक इन स्कूलों में करीब एक करोड़ साठ लाख बच्चे पंजीकृत हैं। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत स्कूलों को स्मार्ट बनाने की योजना बनायी गयी है लेकिन हकीकत ठीक विपरीत है। अधिकांश स्कूल बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे हैं। तमाम स्कूलों में बच्चों के लिए जरूरी फर्नीचर, शौचालय और खेल के मैदान नहीं हैं। ग्रामीण इलाकों के स्कूलों की हालत और भी खराब है। यहां बारिश के मौसम में स्कूल परिसर में पानी भर जाता है। वहीं बच्चों को अभी तक सभी विषयों की पुस्तकें तक नहीं उपलब्ध करायी जा सकी हैं। इसके अलावा बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों का अभाव है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में 51112 जबकि शहरी क्षेत्र के स्कूलों में 12149 शिक्षकों के पद रिक्त हैं। तमाम स्कूलों में शिक्षामित्र बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं। साफ है प्रशिक्षित अध्यापकों के अभाव में छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिलनी मुश्किल हो चुकी है। यही वजह है कि अभिभावक अपने बच्चों को इन स्कूलों में भेजने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं और सरकार का स्कूल चलो अभियान बेअसर साबित हो रहा है। जाहिर है यदि सरकार बेसिक शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना चाहती है तो उसे न केवल स्कूलों को बुनियादी सुविधाओं से लैस करना होगा बल्कि यहां शिक्षकों की कमी को भी तत्काल दूर करना होगा। केवल कुछ स्कूलों को स्मार्ट बनाने से काम नहीं चलने वाला है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कम हो मुक्त व्यापार पर हिचक

अजीत रानाडे

तीन साल पहले चीन समेत 15 देशों के मुक्त व्यापार समझौते 'क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी' से भारत ने अचानक अपने पैर खींच लिये थे। इस समझौते के लिए बातचीत लगभग 10 वर्षों से चल रही थी, जिसमें भारत की सक्रिय और उत्साहपूर्ण हिस्सेदारी थी। वर्तमान में यह समूह दुनिया की लगभग 30 फीसदी जीडीपी का प्रतिनिधित्व करता है और आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। भारत के बिना इस समूह के सदस्यों के बीच 2.3 ट्रिलियन डॉलर का आपसी व्यापार होता है।

इस साल जनवरी से लागू यह समझौता लगभग 90 फीसदी शुल्कों को हटाने की दिशा में कार्यरत है। इस प्रकार यह एक तरह का आर्थिक संघ बन जायेगा। इस समझौते को लेकर भारत को यह आशंका थी कि शुल्क-मुक्त चीनी सामानों से घरेलू बाजार भर जायेगा लेकिन चीन के साथ हमारा व्यापार घाटा बीते तीन सालों से लगातार बढ़ रहा है। लद्दाख में झड़प के बावजूद कुल आपसी व्यापार में भी बढ़ोतरी हो रही है। भारत की जीडीपी वृद्धि भी पटरी पर आती दिख रही है और सात-साढ़े सात फीसदी दर की ओर अग्रसर है। कई वैश्विक निवेशकों की रणनीति 'चाइना प्लस वन' से भारत को भी फायदा होगा, क्योंकि वे चीन से बाहर वियतनाम, थाईलैंड, जैसे देशों में फैक्ट्री लगाना चाहते हैं। क्षेत्रीय भागीदारी समझौते में शामिल न होकर भारत ने इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्स्टाइल, ऑटोमोटिव जैसे क्षेत्रों से संबंधित आपूर्ति श्रृंखला में निवेश आकर्षित करने का मौका शायद कम कर दिया है। निवेशक वहां निवेश करना चाहते हैं, जहां पूरी मूल्य श्रृंखला उपलब्ध हो और अगर अलग-अलग देशों में निवेश करना पड़े तो वे समझौते में शामिल देशों को वरीयता देंगे, ताकि वस्तुओं की आवाजाही आसानी से हो सके इसलिए, लगता है कि केवल व्यापार घाटे पर संकीर्ण ध्यान देकर भारत से मूल्य श्रृंखला की बस छूट गयी है। हालांकि इस समझौते में शामिल 15 में से 12 देशों के साथ भारत का पहले से ही मुक्त व्यापार समझौता था और अब ऑस्ट्रेलिया से भी ऐसा समझौता हुआ है। दुनिया में तीन बड़े व्यापार समूह- क्षेत्रीय आर्थिक भागीदारी के अलावा ट्रांस पैसिफिक भागीदारी और इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क- हैं, जिनके तहत एशिया का बड़ा हिस्सा आता है।

हाल में बने फ्रेमवर्क में 14 देश हैं जबकि ट्रांस पैसिफिक भागीदारी में 11 देश हैं। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, वियतनाम, जापान और ब्रूनेई तीनों समूह के सदस्य हैं। भारत केवल एक का सदस्य है। चीन दो समूह में नहीं है क्योंकि ये समूह चीन को बाहर रखने के लिए ही बनाये गये हैं। ट्रांस पैसिफिक भागीदारी पहले के ऐसी भागीदारी का नया रूप है, जिसका नेतृत्व राष्ट्रपति ओबामा के समय अमेरिका करता था पर ट्रंप ने इससे अपने को अलग कर लिया था। नये समूह में अभी अमेरिका शामिल नहीं हुआ है। यह केवल एक व्यापार समझौता नहीं बल्कि इसका एक उद्देश्य एशिया में भविष्य के व्यापार नियमों को प्रभावित करना तथा चीन के बढ़ते वर्चस्व का प्रतिकार करना भी था इसीलिए इसमें निवेश नियमों, श्रम एवं पर्यावरण मानकों, मूल्य श्रृंखला का अंतरसंबंध व्यापक करना जैसे अनेक प्रावधान भी हैं। ट्रांस पैसिफिक भागीदारी महत्वाकांक्षी है और अब यह इतना आकर्षक हो गया है कि चीन भी उसके दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन भी सदस्यता के इच्छुक हैं। 2018 से ही जापान का मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय संघ से है। इस समझौते (और चीन के नेतृत्व वाले भागीदारी समझौते से भी) से अलग रहने का खामियाजा अमेरिका भुगत रहा है। उसके व्यापार अवसर छूट रहे हैं और उसका भू-राजनीतिक प्रभाव सिमट रहा है। यही कारण है कि इंडो-पैसिफिक फ्रेमवर्क की स्थापना के लिए उसने अतिसक्रियता दिखायी है। इस समूह में 14 देश हैं और वैश्विक जीडीपी में उनकी हिस्सेदारी 28 फीसदी है। इसके चार आधार हैं- व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, कराधान और भ्रष्टाचार विरोध तथा स्वच्छ ऊर्जा। यहां भी भारत ने अपने को व्यापार से अलग

रखा है लेकिन हमें अंतरराष्ट्रीय व्यापार में खुलेपन के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध रहना होगा। हमारे शुल्क उदार होने चाहिए तथा हमें घरेलू उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए लगातार संरक्षण देने के उपायों से भी परहेज करना होगा।

वैश्विक भागीदारी से मूल्य संवर्धन के साथ रोजगार के अवसर भी बनेंगे। 'चाइना प्लस वन' से पैदा हुए मौके हमेशा नहीं होंगे। यह हमारे व्यापक हित में है कि हम हर क्षेत्र में मुक्त या लगभग मुक्त व्यापार को अपनायें। वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी के कारण सुस्त होती जा रही है। ऐसी स्थिति में अगर हमारी व्यापारिक हिस्सेदारी में तीन-चार फीसदी की भी बढ़ोतरी होती है, तो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह बहुत उत्साहजनक होगा और, यह तभी संभव होगा, जब हम खुले और मुक्त व्यापार को लेकर कम आशंकित होंगे।

त्वरित दंड की हो व्यवस्था

दीपक कुमार त्यागी

जिस गौरवशाली संस्कृति वाले भारत में मातृशक्ति को आदिकाल से पूजनीय माना जाता रहा है, आज वहां पर मातृशक्ति के प्रति आये दिन बेहद जघन्य श्रेणी के अपराध घटित हो रहे हैं। महिलाओं के प्रति घटित होने वाले अपराध कम होने की जगह बहुत तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। यही नहीं आज देश के कुछ बेहद व्यवसायिक लोगों द्वारा अपने हितों को साधने के चक्कर में स्त्री को बाजारवाद के इस दौर में एक वस्तु मात्र बनाकर रखने का बेहद शर्मनाक खेल चल रहा है, जिसको हमें समय रहते रोकना होगा। इंटरनेट ने दुनिया को छोटे से मोबाइल में समेटने का कार्य किया है, उसका भी बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके चलते महिला अपराधों का ग्राफ बढ़ रहा है।

भारतीय समाज में नैतिक मूल्यों में पिछले कुछ वर्षों से तेजी से गिरावट आयी है। नैतिक पतन के चलते देश में बच्चों, बच्चियों, नौजवानों, महिलाओं व बुजुर्गों के साथ आये दिन आपराधिक घटनाएं घटित होती हैं। हाल के दिनों में यूपी के लखीमपुर खीरी के तमोलीन पुरवा गांव में दो सगी नाबालिग बहनों के शव गांव के बाहर खेत में पेड़ पर संदिग्ध परिस्थितियों में लटके हुए मिलने से पूरे इलाके में सनसनी मच गयी थी। जांच में पता चला कि दोनों किशोरी की रेप के बाद हत्या कर दी गयी थी। नेता नाबालिग लड़कियों की लाशों पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकते दिखे लेकिन सोचने वाली बात यह है कि क्या तारीख पर तारीख के बाद मृतक बच्चियों के अपराधियों को जल्द कठोर से कठोर सजा दिलवाने का कार्य समय रहते हो पायेगा? क्या देश में अपराधियों के हौसले पस्त करने के लिए पीड़ित परिवार को समय से न्याय मिल पायेगा?

इस हैवानियत भरे मामले पर सभ्य समाज के सभी वर्गों के लोगों में बहुत गुस्सा देखा गया। घटना के बाद क्षेत्र के लोग व परिजन पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाकर सड़क जाम करके विरोध प्रदर्शन किया। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जल्द न्याय के लिए मुहिम चलाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। वैसे पुलिस ने इस मामले पर तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के अंदर ही खुलासा करते हुए सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान छोटू, जुनैद, सोहेल, हाफिजुल, करीमुद्दीन और आरिफ के रूप में हुई है। लेकिन लोग यह सोचकर हैरान व परेशान हैं कि आखिर देश में बार-बार दरिंदों की हैवानियत का बच्चियां क्यों शिकार बनती हैं? आज सबसे बड़ी सोचने वाली बात यह है कि हमारे देश में पिछले कुछ वर्षों में छोटे बच्चों व बच्चियों के साथ आये दिन बर्बरता, बलात्कार और हत्या जैसी गंभीर घटनाएं होना बेहद आम होता जा रहा है, जिसने हमारे सभ्य समाज को झकझोर कर रख दिया है। देश में घटित इस तरह की शर्मनाक घटनाओं ने एक बार फिर से कुछ राक्षसी प्रवृत्ति के लोगों के इंसान होने पर प्रश्नचिन्ह लगाकर यह बता दिया है कि देश में आज भी इंसान व इंसानियत के दुश्मन बहुत सारे लोग जिंदा हैं। इस मसले पर परिजनों व लोगों की मांग है कि पुलिस इस मसले की जल्द से जल्द जांच करे और शासन-प्रशासन फास्ट ट्रैक कोर्ट में जल्द से जल्द इस मसले का निर्णय करावा कर आरोपियों को जल्द से जल्द फांसी देने का कार्य करे लेकिन सोचने वाली बात यह है कि 21वीं सदी के भारत में हम किस तरह के संस्कार विहीन, असभ्य, बर्बर, जाहिल समाज की ओर बढ़ते जा रहे हैं, जिसमें कुछ लोगों के मन में नियम, कायदे, कानून का कोई भय या सम्मान ही नहीं बचा है। आज भी देश में अपराधी प्रवृत्ति लोग पूरी तरह से बेखौफ होकर अपराध कर रहे हैं, इनको अपराध करने से रोकने के लिए पुलिस व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है। एक तरफ भारत सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा बुलंद कर रही है, लेकिन मातृशक्ति के प्रति बढ़ते अपराधों को देखकर लगता है कि देश में यह सब एक ढोंग मात्र है। वैसे आज के समय में विचारणीय तथ्य यह है कि हम लोग इन दरिंदों से अपने बच्चों व बच्चियों की हिफाजत आखिरकार कैसे करें। देश में शासन-प्रशासन व हमारे सामने यह एक बहुत बड़ी चुनौती खड़ी है। वैसे हमको भी देश में अगर इस तरह के अपराध को कम करना है तो किसी अन्य के साथ होने वाली बर्बरता पूर्ण घटना को केवल एक अपराध मानकर चुपचाप आंख मूंदकर घर में नहीं बैठ जाना है। सभी को जागरूक रहकर बिना किसी के कहे तत्काल अपने-अपने हिस्से के दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। आज हम सभी को यह समझना होगा कि अपराधी का कोई जाति व धर्म नहीं होता है, वह केवल इंसान व इंसानियत का दुश्मन होता है। देश-दुनिया के किसी भी हिस्से में सभी प्रकार के जघन्य अपराधों में विशेषकर की अपहरण, हत्या, बलात्कार आदि में लोगों को अपनी जहरीली जातिवाद, धार्मिक सोच से दूर रखते हुए व राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से इतर रखते हुए न्याय के लिए कार्य करना ही होगा। वहीं इस तरह की आये दिन होने वाली हैवानियत को रोकने के लिए पीड़ित पक्ष को जल्द से जल्द न्याय दिलवाने की परंपरा शासन-प्रशासन को शुरू करनी होगी और गुनहगारों को देश दुनिया में नजीर बनने वाली बेहद कठोर सजा दिलवाने का प्रावधान करना होगा, जिससे कि भविष्य में फिर कोई दरिंदा किसी और के साथ ऐसी पाशविक-बर्बरता करने का दुस्साहस न कर पाए।

अदरक-लहसुन की जोड़ी देगी सेहतमंद जिंदगी का साथ

भारतीयों की किचन में ऐसी कई सारी चीजें मौजूद है जो ना सिर्फ खाने का जायका बढ़ाती है, बल्कि ये सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद साबित हुई है। बात करें अदरक-लहसुन की तो ऐसा कौन-सा किचन होगा जहां खाने का जायका बढ़ाने के लिए अदरक-लहसुन के पेस्ट इस्तेमाल नहीं होता होगा। जी हां, खाने के स्वाद को बढ़ाने वाली इन दो चीजों के बिना हर चीज का टेस्ट अधूरा है। लेकिन क्या आप ये बात जानते है कि सेहत के लिए भी इन दोनों चीजों का मिश्रण कई तरह से लाभदायी है। इनमें मौजूद पोषक तत्व हमारे शरीर को मजबूत बनाने में मदद कर सकते है। तो आइए जानते है अदरक-लहसुन का पेस्ट हमारी सेहत के लिए किस तरह गुणकारी है।

सूजन और दर्द से दें राहत

अदरक में जिनजिरॉल नाम का एन्टी-इंफ्लैमटोरी गुण होता है। जो मसल्स के दर्द और जोड़ो के दर्द से आराम दिलाता है। वैसे ही लहुसन के कई कम्पाउन्ट के साथ उसका एन्टी-इंफ्लैमटोरी गुण भी सूजन और दर्द से राहत दिलाने में सहायता करता है। ऐसे में जिनको सूजन और दर्द की शिकायत रहती है, उनके लिए अदरक-लहसुन का पेस्ट रामबाण इलाज है। इसे आप किसी भी फॉम में ले सकते है, आप चाहे तो रोजमर्रा की सब्जी में इस पेस्ट को शामिल कर सकते है, या फिर अदरक-लहसुन के पेस्ट को शहद के साथ मिलाकर भी ले सकते है।

छाती और नाक में कंजेशन से राहत

अदरक-लहसुन का पेस्ट उनके लिए भी बहुत लाभकारी है, जिन्हें सांस से संबंधित परेशानियां रहती है। लहसुन और अदरक दोनों ही नाक में जमा कंजेशन को दूर करने और कफ को पिघालने की क्षमता रखते हैं। वहीं अदरक गले में खराश और मांसपेशियों के दर्द को कम कर सकता है।

सर्दी और फ्लू से सुरक्षा

अदरक लहसुन का पेस्ट इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है जिससे आपके शरीर को बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है। लहसुन के एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीफंगल और एंटीमाइक्रोबियल गुण आपको संक्रामक रोगों से बचाते हैं। जिनको सर्दी-जुकाम ज्यादा रहता है उनके लिए अदरक-लहसुन का नियमित सेवन काफी लाभदायक साबित हो सकता है।

पाचन में करता है सहायता

यदि आपका पेट खराब रहता है तो अदरक-लहसुन का ये मिक्सर आपके लिए सेहतमंद रहेगा। खाने की हर डिश में अदरक लहसुन का पेस्ट जहां टेस्ट बढ़ाता है, वहीं इसके नियमित सेवन से पाचन संबंधी परेशानियों से भी निजात मिल सकती है। दरअसल अदरक-लहसुन के पेस्ट में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते है। जो दस्त, गैस्ट्रिक अल्सर और पेट दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं। अदरक को कब्ज, डकार और सूजन को रोकने के लिए भी जाना जाता है।

अदरक लहसुन का पेस्ट बनाने का तरीका

अदरक-लहसुन का पेस्ट बनाने के लिए, कम से कम 8 बड़े कटे हुए लहसुन लें और उतनी ही मात्रा में अदरक लें। फिर इसमें 1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। एक स्मूद पेस्ट बनाने के लिए मिश्रण को ब्लेंडर में अच्छे से पीस लें। इसे आप फ्रिज में रखकर लंबे समय तक स्टोर कर सकते है।

इम्यूनिटी बढ़ाए

अदरक-लहसुन में बैक्टीरियल, एंटी-बायोटिक्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो बीमारी से लड़ने में मददगार साबित हुए हैं। इसकी मदद से इम्यूनिटी को स्ट्रांग बनाया जा सकता है। ऐसे में वो लोग जो हर बदलते मौसम के साथ बीमार पड़ जाते है, उन्हें नियमित रूप से अदरक-लहसुन खाना चाहिए ताकि आपकी इम्यूनिटी मजबूत बनें और आपको बीमार पड़ने पर बार-बार डॉक्टर के पास ना जाना पड़ें।

दिल का रखे ख्याल

अदरक और लहसुन दोनों ही कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में सहायता करते है। अदरक धमनियों में गंदगी को जमने नहीं देता है और लहसुन का पॉलीसल्फाइड ब्लड वेसल को बड़ा करने में मदद करता है जिससे ब्लड प्रेशर कम होता है। इसके अलावा, लहसुन ब्लड को पतला भी करता है जिससे हार्ट एटैक और स्ट्रोक का खतरा कम रहता है।

हंसना मना है

बीवी- सुनो जी, जब हमारी नई-नई शादी हुई थी... जब मैं खाना बना कर लाती थी तो तुम खुद कम खाते थे, मुझे ज्यादा खिलाते थे। पति- तो? बीवी- तो अब ऐसा क्यों नहीं करते हो? पति- क्योंकि अब तुम अच्छा खाना बनाना सीख गई हो। बीवी बेहोश।

खाने में बाल मिलने पर पति अपनी खूबसूरत पत्नी से रोमांटिक अंदाज में बोला.. त्त्पति- सजनी, जानेमन जुल्फों को संभाल लिया करो, पत्नी- शर्माते हुए, आप भी न...पति- ज्यादा इतराने की जरूरत नहीं है। अगली बार खाने में बाल मिला, तो मां कसम, सौतन ले आऊंगा।

पप्पू-भाई कल सर्कस देखने चलेंगे सुरेश-मैं अपनी बीवी को भी लाऊंगा पप्पू-अगर तेरी बीवी और साली दोनों शेर के पिंजरे में गिर गयी तो किसे बचाएगा सुरेश-भाई मैं तो शेर को बचाऊंगा, आखिर दुनिया में शेर बचे ही कितने हैं।

एग्जाम हॉल में मिंकू चुपचाप बैठा था। टीचर- तुम कुछ लिख क्यों नहीं रहे? मिंकू- कुछ आ ही नहीं रहा। टीचर- अरे कुछ तो आ ही रहा होगा। मिंकू- हां। टीचर- क्या? मिंकू- रोना!

पप्पू अस्पताल की एक नर्स से कहता है पप्पू- आई लव यू तुमने मेरा दिल चुरा लिया नर्स (शरमा कर बोली)- चल झूठे, दिल को तो हाथ भी नहीं लगायाज हमने तो सिर्फ किडनी' चुराई है!! पप्पू अब कोमा में चला गया हैज

कहानी | कृतघ्न वानर

वाराणसी के निकट कभी एक शीलवान गृहस्थ रहता था, जिसके घर के सामने का मार्ग वाराणसी को जाता था। उस मार्ग के किनारे एक गहरा कुआं था, जिसके निकट लोगों ने पुण्य-लाभ हेतु जानवरों को पानी पिलाने के लिए एक द्रोणि बांध रखी थी। अनेक आते-जाते राहगीर जब कुएं से पानी खींचते तो जानवरों के लिए भी द्रोणि में पानी भर जाते। एक दिन वह गृहस्थ भी उस राह से गुजरा। उसे प्यास लगी । वह उस कुएँ के पास गया और पानी खींचकर अपनी प्यास बुझाई। तभी उसकी दृष्टि प्यास से छटपटाते एक बंदर पर पड़ी जो कभी कुएं के पास जाता तो कभी द्रोणि के पास। गृहस्थ को उस बंदर पर दया आई। उसने कुएं से जल खींचकर खाली द्रोणि को भर दिया। बंदर ने तब खुशी-खुशी द्रोणि में अपना मुंह घुसाया और अपनी प्यास बुझा ली । फिर बंदर उस गृहस्थ को मुंह चिढ़ा-चिढ़ा कर डराने लगा। गृहस्थ जो उस समय निकट के पेड़ की छाँव में आराम कर रहा था बुदबुदाया, अरे! जब तू प्यास से तड़प रहा था, तो मैंने तेरी प्यास बुझायी। अब तू मेरे साथ ऐसी धृष्टता कर रहा है। क्या तू और कोई अच्छा कर्त्तव्य नहीं दिखा सकता! बंदर ने तब कहा, हाँ मैं और भी अच्छा काम कर सकता हूँ। फिर वह कूदता हुआ उस पेड़ के ऊपर पहुंच गया, जिसके नीचे राहगीर विश्राम कर रहा था। पेड़ के ऊपर से उसने राहगीर के सिर पर विष्ठा की और कूदता हुआ वहां से भाग खड़ा हुआ। खिन्न राहगीर ने तब फिर से पानी खींचकर अपने चेहरे व कपड़ों को साफ किया और अपनी राह पर आगे बढ़ गया।

5 अंतर खोजें

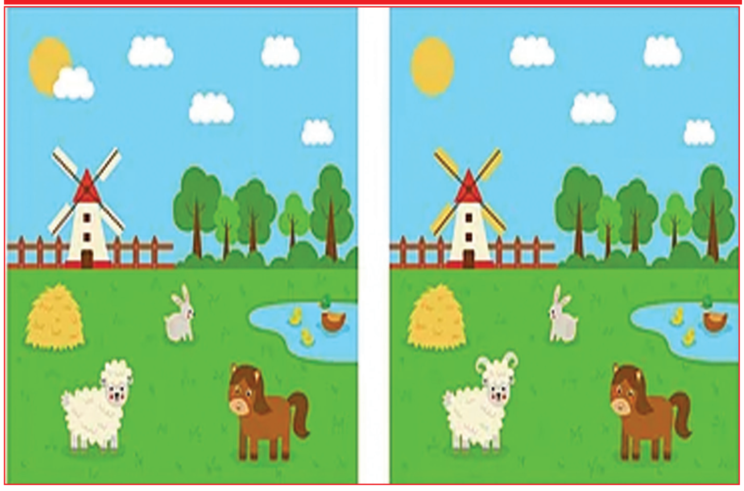

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष दुविधा के चलते आप असमंजस में फंस सकते हैं। नए करार फायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिकलाभ नहीं पहुंचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाजी में निर्णय न लें।

वृषभ आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको किसी व्यक्ति से कुछ नया करने की प्रेरणा मिल सकती है। आप जो भी नया काम शुरु करेंगे, उसमें सफलता जरुर मिलेगी. स्वास्थ्य पहले से बेहतर बना रहेगा।

मिथुन अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की जरूरत है। विरोधी व प्रतिद्वंदी नरम पड़ेंगे। धन, यश और कीर्ति में वृद्धि होगी। मित्रों से सहयोग लेना पड़ सकता है।

कर्क अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीके से इस्तेमाल करें तो वह काफी फायदेमंद साबित होगी। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे।

सिंह आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज दूसरों पर अपनी राय न थोपें। नए लोगों से आपकी दोस्ती हो सकती है। पैसों के मामलों में आप थोड़ी चिंता कर सकते हैं।

कन्या आज यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फायदेमंद होगी। कभी कभी वैवाहिक जीवन वाकई काफी खीझ पैदा कर सकता है लगता है कि आपके लिए वैसा ही दिन है।

तुला सकारात्मक सोच और हालात के उजले पहलू को देखना आपको इससे बचा सकता है। आकस्मिक मुनाफे या सट्टेबाजी के जरिए आर्थिक हालात सुदढ़ होंगे। घरेलू जिंदगी सुकूनभरी रहेगी।

वृश्चिक आज आपका दिन शानदार रहेगा। सरकारी ऑफिस में फंसा हुआ काम आज पूरा हो सकता है। किसी बड़े अधिकारी का सहयोग भी मिलेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा।

धनु आपको अपने अंतरतम की भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थति भी आ सकती है। घरेलू काम थका देने वाला होगा। नजदीकी लोगों से कई मतभेद उभर सकते हैं।

मकर आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी लेकिन आर्थिक तौर पर फायदेमंद साबित होगी। आज आपका दिन अच्छा रहेगा।

कुम्भ आप अपनी बात और काम करने के तरीके से लोगों को प्रभावित करने की कोशिश करेंगे। बिजनेस के सिलसिले में यात्रा पर जा सकते हैं, ये यात्रा आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

मीन आज का दिन भाग दौड़ भरा हो सकता है। आज आपको घर वालों व मित्रों के नकारात्मक स्वभाव को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। स्वजनों के साथ भेंट करने से मन आनंदित हो जायेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

सोनम ने एक महीने बाद रिवील किया बेटे का नाम वायु

सोनम कपूर ने पिछले महीने बेबी बॉय को जन्म दिया था। अब हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर फैमिली फोटो शेयर कर फैंस को अपने बेटे की झलक दिखाई है। साथ ही उन्होंने बेटे के नाम का खुलासा करते हुए बताया कि उन्होंने उसका नाम वायु कपूर आहूजा रखा है। सोनम ने इस फोटो के कैप्शन में वायु का पूरा मतलब भी बताया है। इस फोटो में आनंद बेटे को गोद में लेकर सोनम को किस कर रहे हैं, वहीं सोनम उसे देखती हुई नजर आ रही हैं। सोनम कपूर ने इस फोटो को शेयर करते हुए लिखा कि हमारी लाइफ में नई सांसे शामिल हो चुकी हैं। भगवान हनुमान और भीम के रूप में ये हमारी ताकत और हिम्मत का प्रतीक है। सभी से हम अपने बेटे वायु कपूर आहूजा के लिए आशीर्वाद चाहते हैं। हिंदू धर्म में वायु पांच तत्व में से एक है। वो सांस के देवता हैं। हनुमान, भीम और माधव के आध्यात्मिक पिता हैं और वो हवा के शक्तिशाली भगवान हैं। सोनम ने आगे लिखा कि वायु इस संसार की जान हैं। वो बुद्धि के मार्गदर्शक हैं। प्राण, इंद्र, शिव और काली सभी वायु से जुड़े हुए हैं। इसलिए वायु को बहादुर, वीर और सुंदर भी कहा जाता है। वायु और उसके परिवार के लिए आपकी शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद। सोनम कपूर और आनंद आहूजा 8 मई 2018 को शादी के बंधन में बंधे थे। इस शादी में बॉलीवुड के कई सेलेब्स समेत सोनम के फ्रेंड्स और फैमिली मेंबर्स भी शामिल हुए थे। इस साल के शुरुआत में कपल ने अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। वहीं पिछले महीने 20 अगस्त को उन्होंने बेटे को जन्म दिया था। सोनम को आखिरी बार 2019 में आई फिल्म द जोया फैक्टर में देखा गया था।

50 रुपए से करियर शुरू किया था गजोधर भइया ने

श्रद्धांजलि

राजू श्रीवास्तव ने 59 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। उन्हें 10 अगस्त को हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उन्हें दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राजू को बॉलीवुड स्टार्स व नेताओं की मिमिक्री के लिए जाना जाता है। राजू कई टीवी और स्टेज शोज में काम कर चुके हैं। राजू का जन्म एक मिडिल क्लास फैमिली में हुआ था। उन्हें अपने करियर के शुरुआती दिनों में 50 रुपए मिला करते था। लेकिन सफलता पाने के बाद वो एक शो के 5-10 लाख रुपए चार्ज करते थे। राजू बचपन से ही स्टेज शोज किया करते थे। इसके अलावा वो कई फिल्मों में भी छोटे-मोटे रोल कर चुके हैं। वो बॉलीवुड फिल्म मैंने प्यार किया, बाजीगर, बॉम्बे टू गोवा, बिग ब्रदर, मैं प्रेम की दीवानी हूं जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

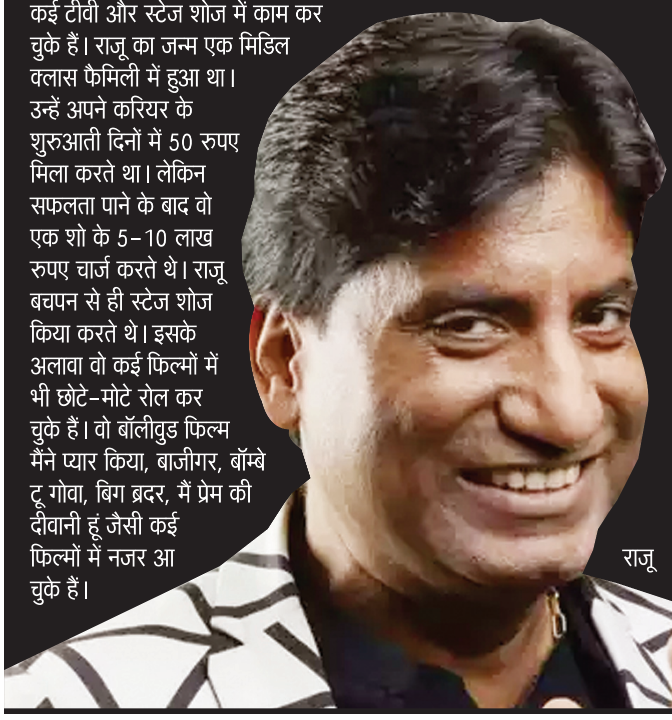

राजू

की कमाई का मुख्य जरिया कॉमेडी ही थी। भारत में कई स्टेज शोज करने के साथ ही राजू अक्सर विदेशों में भी शोज करने जाते रहते थे। वो कई अवॉर्ड फंक्शन को होस्ट कर और ब्रांड एंडोर्समेंट कर सालाना मोटी कमाई करते थे। राजू एनजीओ और ट्रस्ट में काफी पैसे डोनेट किया करते थे। इसके अलावा वो गरीबों की मदद करने के लिए कई चैरिटी शो भी किया करते थे। राजू ने कुछ साल पहले ऑडियो और वीडियो कैसेट की एक सीरीज भी लॉन्च की थी। कॉमेडियन, अमिताभ बच्चन की अच्छी मिमिक्री करते थे। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि स्ट्रगल के दिनों में वो बच्चन साहब की मिमिक्री करके पैसा कमाते थे। उनकी पहली सैलरी 50 रुपए थी। बात करें राजू श्रीवास्तव की कुल संपत्ति की तो मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वो लगभग 20 करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक थे और उनके पास एक इनोवा कार थी, जिसकी कीमत लगभग 25 लाख रुपए है। यह भी बता दें कि बचपन से ही राजू घर आए मेहमानों के सामने मिमिक्री करते और स्कूल में टीचर की भी नकल उतारकर लोगों को खूब हंसाते। कई टीचर उन्हें बद्तमीज कहते हुए सजा देते थे, लेकिन एक टीचर ऐसे भी थे जो इन्हें बढ़ावा दिया और कॉमेडी में करियर बनाने की सलाह दी। ये बचपन से ही कॉमेडियन बनना चाहते थे, लेकिन असल में इनकी प्रेरणा अमिताभ बच्चन थे। बिग बी की फिल्म दीवार देखने के बाद राजू ने एक्टर बनने का फैसला किया।

टिब्बा के जरिए फिल्मों में वापसी कर रहे दर्शील

सालों बाद तारे जमीं पर फेम दर्शील सफारी वापसी बड़े पर्दे पर वापसी करने वाले हैं। एक्टर फिल्म टिब्बा में लीड रोल निभाते नजर आएंगे। दर्शील के अलावा अदा शर्मा, सोनाली कुलकर्णी फिल्म में अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म टिब्बा का निर्देशन गौरव खाती करने वाले हैं। एक इंटरव्यू में दर्शील ने बताया कि मैंने अपनी पढ़ाई कंप्लीट की। एचआर में बैचलर्स ऑफ मास मीडिया किया। उसके बाद थिएटर ज्वाइन किया, जिसमें मैंने पिछले छह सालों में 150 से ज्यादा शोज किए। हमारे तीन प्ले चल रहे थे। मेरा फोकस अपने स्किल पर था कि इसे कैसे ग्रो कर पाऊं। इस दौरान मैंने कोशिश की कि ज्यादा से ज्यादा एक्सपीरियंस कम टाइम में ले सकूं। मैंने राइटिंग, फिल्म मेकिंग, डायरेक्शन पर काम किया। कोरोना वायरस के दौरान फैसला लिया कि आगे क्या करना चाहूंगा। फिर मैंने एकदम फ्रेश तौर पर फिल्में करने का मन बनाया। साल 2021 में शुरुआत की। तब से अभी तक मैंने तीन फिल्मों पर काम किया, कई शॉर्ट फिल्में और एकाध म्यूजिक वीडियो शूट कर चुका हूं। मैंने पिछले साल मुक्त फिल्म शूट की थी। मेरी दूसरी फिल्म टिब्बा है। इसके अलावा मैंने वूट के लिए वेब शो- आधा इश्क में काम किया। इस साल के शुरुआत में एक गुजराती

बॉलीवुड | मसाला

फिल्म कच्छ एक्सप्रेस शूट किया, जिसमें रतना पाठक, मानसी पारिख ने भी काम किया है। इसके साथ ही मेरी कोशिश रही कि कमर्शियल फिल्मों के जरिए कैसे बाहर आऊं ताकि ऑडियंस से कनेक्ट कर सकूं।

अजब-गजब | जान जोखिम में डालकर रहते हैं लोग

खतरनाक चट्टान पर बसा है ये गांव

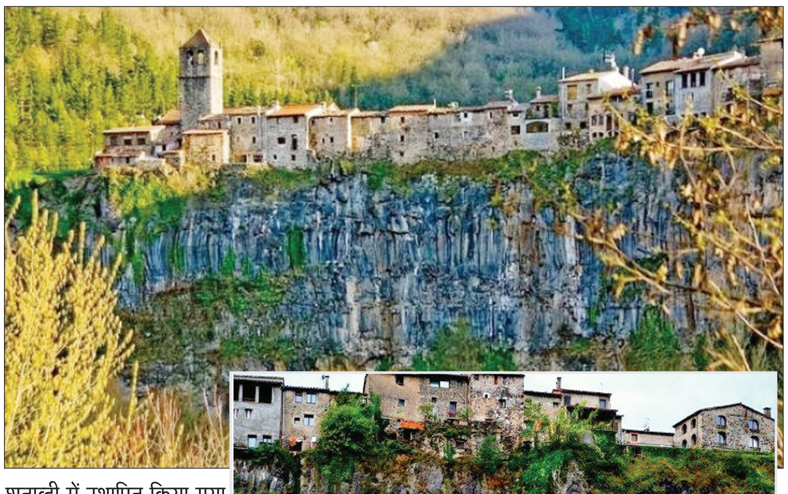

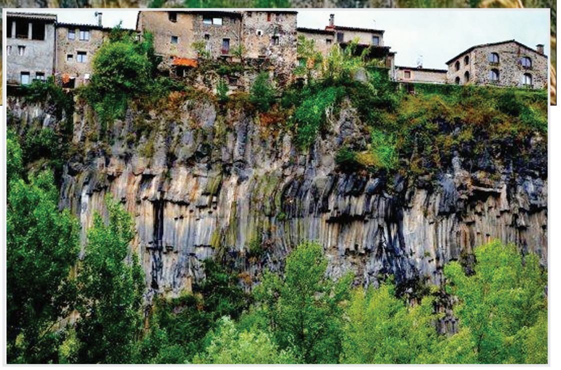

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं जहां पर लोग रहना तो दूर जाना भी पसंद नहीं करते क्योंकि ये जगहें बेहद दुर्गम और खतरनाक हैं। आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक दुर्गम और खतरनाक पहाड़ी पर बसा है और यहां लोग अपनी जान हथेली पर रखकर रहते हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं कैस्टेलफोटिल डे ला रोका नाम के एक गांव के बारे में। स्पेन में मौजूद इस गांव में रहने वाले लोग खतरों के साथ रहते हैं। ये गांव बेसाल्ट की चट्टान पर बसा है।

लाखों साल पहले हुए थे ज्वालामुखी के विस्फोट

बताया जाता है कि यहां लाखों साल पहले ज्वालामुखी के दो विस्फोट हुए थे। पहला विस्फोट बटेट नाम के गांव में दो लाख 17 हजार साल पहले हुआ था, और दूसरा विस्फोट बेगु?ा नाम के गांव में एक लाख 92 हजार साल पहले हुआ था। लेकिन समय के साथ-साथ ज्वालामुखी का लावा जमने लगा और उसके बाद बेसाल्ट की चट्टानों के रूप में ये बदल गया। इन चट्टानों को ठंडा होने में काफी लम्बा समय लगा, जिसके बाद यहां इंसानों ने अपनी बस्तियां बसाना शुरु कर दिया।

ज्वालामुखी से बनी चट्टानों से बनाए गए है घर

सबसे हैरानी की बात तो ये हैं कि यहां बनाए गए घर दीवारों से नहीं बल्कि ज्वालामुखी से बनी चट्टानों से ही निर्मित किए गए हैं। यहां स्थित चट्टान के कोने पर सेंट साल्वोडोर नामक चर्च 13वीं शताब्दी में स्थापित किया गया था। जो आज भी मौजूद है। कैस्टेलफोटिल डे ला रोका गांव लगभग एक किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हो और ये जमीन से करीब 50 मीटर की ऊंचाई पर बसा है। हैरानी की बात तो ये हैं कि इस गांव के घर चट्टान के किनारे बने है। इस गांव के पास से फ्लूविया और टोलोनेल नाम की दो नदियां भी गुजरती हैं। इस गांव को स्पेन का सबसे छोटा गांव भी माना जाता है। चट्टान के किनारों पर बसे होने की वजह से यहां के घर और लोग हर वक्त खतरे में रहते है।

ये है दुनिया की सबसे विचित्र साइकिल जिसे देखकर हैरान रह जाते हैं लोग

आपने अपने तक तमाम तरह की साइकिलें देखी होंगी। जिनमें मोटे टायर, पतले टायर जैसी साइकिल प्रमुख रूप से होंगी। वर्तमान में कंपनियां भी ऐसी साइकिलें बना रही हैं जिनकी कीमत हजारों और लाखों में है। लेकिन आज हम जिस साइकिल के बारे में आपको बताने जा रहे हैं वैसी साइकिल आपने शायद ही पहले कभी देखी या उसके बारे में सुना होगा। हम जिस साइकिल के बारे में आपको बताने जा रहे हैं वह दुनिया की ऐसी साइकिल है जिसके बारे में सुनकर ही आपको हंसी आने लगेगी। ज्यादातर लोग साधारण तौर पर चलने वाली साइकिल का ही इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कुछ लोग गेयर वाली साइकिल भी चलाना पसंद करते हैं। वहीं एक ऐसी भी साइकिल होती है जिसे दो लोग एक साथ बैठकर चला सकते हैं। लेकिन ये साइकिल ऐसी है जिसे ना तो दो लोग चलाते हैं और ना ही इसमें कोई गियर है। बल्कि ये साइकिल इतनी ऊंची है कि आपको हंसी आ जाएगी। एक शख्स के पास ऐसी साइकिल मौजूद है जिसकी गद्दी दूसरी मंजिल पर है। यानी कि साइकिल की ऊंचाई इतनी ज्यादा है जिसे देख आप आश्चर्य में पड़ जाएंगे। वहीं इस शख्स के साइकिल पर बैठने का तरीका भी गजब है। यह शख्स साइकिल की सीट पर बैठने के लिए पहले साइकिल के पहले माले पर पैर रखता है और फिर ऊपर की ओर चढ़ता है। जब ये शख्स सड़क पर चलता है तो गाड़ी वाले इस शख्स को देखकर सड़क पर ही अपनी गाड़ी रोक लेते हैं और उसे हैरानी भरी नजरों से देखने लगते हैं। हालांकि इस शख्स के इस शौक के बारे में पता नहीं चला लेकिन इसकी साइकिल आपको आपके बचपन की याद जरूर दिला देगी जब आप अपनी हाइट से ऊंची साइकिल लेकर घर से निकल जाते थे और थोड़ी देर बार चोट लगाकर वापस लौटते थे।

पंजाब में राज्यपाल से आप सरकार की ठनी

विधान सभा के विशेष सत्र की मंजूरी न मिलने पर बोले केजरीवाल, खत्म हो गया है लोकतंत्र

» ऑपरेशन लोटस के नाकाम होने पर राज्यपाल ने नहीं दी मंजूरी

» पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने विश्वास मत के लिए बुलाया था सत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पंजाब के राज्यपाल के पंजाब विधान सभा के विशेष सत्र को मंजूरी न देने वाले फैसले पर भड़क गए हैं। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि लोकतंत्र खत्म हो गया है।

उन्होंने ट्विटर पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, राज्यपाल कैबिनेट द्वारा बुलाए गए सत्र को कैसे मना कर सकते हैं। लोकतंत्र खत्म हो गया है। दो दिन पहले ही राज्यपाल ने सत्र की अनुमति दी थी। जब ऑपरेशन लोटस विफल होने लगा और नंबर पूरा नहीं हुआ तो एक कॉल ऊपर से आई और अनुमति वापस लेने को कहा। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने भगवंत मान सरकार की ओर से बुलाए गए पंजाब विधान सभा के विशेष सत्र मंजूरी नहीं दी है। मान सरकार ने यह सत्र विश्वास मत पेश करने के लिए बुलाया था। विधान सभा का यह सत्र आज होना था। आप के राज्य सभा सदस्य राघव चड्ढा ने कहा है कि राज्यपाल कैबिनेट की सिफारिश को मानने को बाध्य हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ट्वीट कर कहा है कि राज्यपाल की ओर से विधान सभा न चलने देना देश के लोकतंत्र पर बड़े सवाल पैदा करता है। अब लोकतंत्र को करोड़ों लोगों के चुने हुए प्रतिनिधि चलाएंगे या दिल्ली की केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया हुआ व्यक्ति ।एक ओर संविधान और दूसरी तरफ ऑपरेशन लोटस है। जनता सब देख रही है। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया था कि भाजपा की ओर से उसके कई विधायकों को खरीदने की कोशिश हो रही है। इसी के मद्देनजर भगवंत मान सरकार ने फिर से पंजाब विधान सभा में विश्वास मत हासिल करने का फैसला किया था। आज यानी 22 सितंबर को विधान सभा का विशेष सत्र बुलाने के लिए राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने 20 सितंबर को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद विपक्ष की ओर से राज्यपाल को लिखे पत्र के बाद उन्होंने इस संबंध में कानूनी राय ली। इसके बाद बुधवार शाम विशेष सत्र के लिए दी गई मंजूरी वापस ले ली गई। आदेश में कहा गया कि विश्वास प्रस्ताव लाने का अधिकार पंजाब विधान सभा की नियमावली में नहीं है इसलिए जो मंजूरी 20 सितंबर को दी गई थी उसे वापस लिया जाता है।

गृह मंत्री अमित शाह से मिले सीएम धामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर उनसे राज्य से जुड़े कई विषयों पर चर्चा की। समझा जा रहा है कि इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से हुई भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, विधान सभा के भर्ती प्रकरण जैसे चर्चित विषयों पर भी शाह को फीडबैक दिया। इसके अलावा राज्य सरकार की छह माह की उपलब्धियों व मंत्रियों के कामकाज को लेकर दोनों नेताओं के मध्य विमर्श की चर्चा राजनीतिक गलियारों में है।

मुख्यमंत्री धामी तीन दिवसीय प्रवास पर इन दिनों दिल्ली में हैं। उनकी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हुई मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह के निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। दरअसल राज्य में इन दिनों अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से हुई भर्तियों में घोटाला और विधान सभा की भर्तियों में गड़बड़ी के कई मामले सुर्खियों में है। यह चर्चा है कि इन मामलों में सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के साथ ही अब तक की कार्रवाई का पूरा ब्योरा मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री के समक्ष रखा।

बीएमसी चुनाव पर उद्धव की हुंकार

कोई भी हथकंडा अपना ले हरा नहीं पाएगी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बृहनमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव को लेकर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने भाजपा पर मुंबई को बेचने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जो चाहें हथकंडा अपना लें, लेकिन वह इस स्थानीय निकाय में सत्तारूढ़ उनकी पार्टी को किसी कीमत पर हरा नहीं पाएंगे।

गोरेगांव में पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा और शिवसेना के बागियों से अगले एक महीने में बीएमसी और विधान सभा चुनाव कराने को कहा ताकि यह पता चल सके कि शहर के मतदाता किसे पसंद करते हैं। इस महीने की शुरुआत में अमित शाह ने मुंबई नगर निगम चुनाव का बिगुल बजाते हुए कहा था कि अब उद्धव को उनकी जगह दिखाने का समय आ गया है। उन्हें हार के रूप में गहरा घाव देने की जरूरत है। उद्धव ने भाजपा पर समुदाय और धर्म के आधार पर लोगों को बांटने का आरोप लगाया।

न मैं झुका हूं और न ही कभी झुकूंगा : लालू यादव

बचना होगा भाजपा के पाखंड और सांप्रदायिक सोच से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैं अपनी आइडियोलॉजी पर मजबूती से कायम हूं, कई पार्टियों ने भाजपा के साथ समझौता कर घुटने टेक लिए लेकिन न मैं झुका हूं और न कभी झुकूंगा। भाजपा हमारी सबसे बड़ी दुश्मन है अगर मैं झुक जाता तो मुझे इतने दिन जेल में नही रहना पड़ता।

राजद राज्य परिषद की बैठक में राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कहा कि मैं जल्द ही नीतीश कुमार के साथ मिलकर दिल्ली जाकर सोनिया गांधी से मुलाकात करूंगा। राहुल गांधी की यात्रा के बाद राहुल से भी मुलाकात करूंगा। 2024 में हम भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर कर देंगे। लालू ने कहा कि कभी भी भाजपा से समझौता नहीं किया और अपने विचारधारा पर मजबूती के साथ आगे बढ़े। हर हाल में भाजपा के पाखंड और साम्प्रदायिक सोच से बचना होगा। भाजपा सिर्फ नफरत के सहारे माहौल खड़ा करना चाहती है। इसके लिए मुद्दों के साथ भाजपा की राजनीति को रोकना होगा। नीतीश अच्छा काम कर रहे हैं और वो हमेशा हमसे राय लेते रहते हैं। उनके द्वारा देश स्तर पर जो जोड़ने का अभियान चल रहा है यह बहुत ही बेहतर कदम है और सभी को जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भारत जोड़ो यात्रा के बाद हम और नीतीश मिलेंगे। साथ ही देश में भाजपा के खिलाफ मजबूत विकल्प खड़ा करेंगे। सभी को पता है कि जिलाध्यक्षों की घोषणा के लिए आप सभी ने मुझे अधिकृत किया है। मैं सभी से राय मशविरा करके घोषणा करूंगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि तकदीर बहादुर सिंह पुत्र बाबू सिंह निवासी ग्राम हमीरपुर, बन्थरा-सिकंदरपुर तहसील सरोजनी नगर जिला लखनऊ, खसरा संख्या-257 राजस्व ग्राम बन्थरा-सिकंदरपुर तहसील सरोजनी नगर जिला लखनऊ का अमरेन्द्र बहादुर सिंह पुत्र लाल बहादुर सिंह आदि के साथ सहखातेदार है एवं तकदीर बहादुर सिंह अपने हिस्से की उपरोक्त भूमि से एक प्लॉट नम्बर 9, क्षेत्रफल 1200 वर्गफिट नीलू सिंह पत्नी योगेश प्रताप सिंह निवासिनी दीपागढ़ी, परेंदा, उन्नाव, उ.प्र. को विक्रय कर रहे हैं एवं क्रेता आधार हाउसिंग फाईनेन्स लिमिटेड शाखा लखनऊ से गृह ऋण ले रही है यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिन के अन्दर निम्नलिखित व्यक्ति से संपर्क करें।

मृगेन्द्र बहादुर सिंह (अधिवक्ता)
आधार हाउसिंग फाईनेन्स लिमिटेड
आफिसः ई.डब्ल्यू.एस. : 209-210,
सेक्टर - जी, जानकीपुरम, लखनऊ
मोः 6394317537, 9415542801

पत्रकारिता के सिद्धांतों का नहीं हो रहा है पालन

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। मीडिया ही देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाता है लेकिन पिछले कुछ सालों से देश की मीडिया दम तोड़ती नजर आ रही है और तभी लोगों ने उसे गोदी मीडिया कहना शुरू कर दिया और यही गोदी मीडिया अब लोगों के निशाने पर आ गई है। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार डॉ. राकेश पाठक, अमिताभ श्रीवास्तव, अरविंद सिंह, प्रो. रविकांत (लखनऊ विवि) और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

अमिताभ श्रीवास्तव ने कहा कि सत्ता समर्थक पहले भी होते थे मगर इस तरह मूल्यांकन हो जाए कि पत्रकारों को गोदी मीडिया कहा जाए तो ये उचित नहीं है। अभी मौजूदा कुछ सालों में पत्रकारों पर सवाल उठे हैं। दरअसल, मीडिया में जो पूंजी लगी हुई हैं वो कुछ घरानों तक ही सीमित है। मीडिया के पास, व्यवसाय में जिस तरह पैसा चाहिए, वो पूंजी जिनके हाथ में है वो मीडिया को नचा रहे हैं। वही सरकार चला रहे हैं। अरविंद सिंह ने कहा, जो मीडिया का डेवलपमेंट हुआ, क्षेत्रीय केंद्र बने, पत्रकारिता वहां से निखरी, वो दौर था। अब जो बदलाव आया है वो सूचना क्रांति से हुआ। सुप्रीमकोर्ट बार-बार कह रहा मगर सरकार मानने को तैयार नहीं। पत्रकारिता के बुनियादी सिद्धांत है, अब उनका पालन नहीं हो रहा है। अब सब ऊपर से तय हो रहा है कि ये लिखना है, ये चलाना है। प्रो. रविकांत ने कहा कि अगर गलत ट्रेंड हो रहा होता तो इसका प्रतिकार होता लेकिन पूरे समाज में जहां-जहां गोदी मीडिया को नोट किया जाता। वहां पर एक भी एंकर का प्रतिरोध नहीं किया जाता। पत्रकारिता की साख बस इतनी कि देश में ऐसे भी पत्रकार है, जिनके कारण पत्रकारिता हैं। मगर जो रहा रहा अभी वर्तमान में, वो नहीं होना चाहिए। अब खबर नहीं प्रदर्शन ज्यादा हो रहा है क्योंकि उन्हें तो टीआरपी से मतलब है।

डॉ. राकेश पाठक ने बशीर ब्रद का शेर अर्ज किया कि जी चाहता है सच बोले, पर क्या करें हौसला नहीं होता। दरअसल, मीडिया का हौसला खत्म हो गया है या तोड़ दिया गया है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सदन में विरोधी विधायक क्रिकेट मैदान में बने दोस्त

सपा और भाजपा विधायकों के बीच मैत्री मैच, माननीयों ने बिना टीम के नाम रखे खेला क्रिकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा में कभी महंगाई, बेरोजगारी तो कभी अपराध के मुद्दे पर अपनी-अपनी आस्तीनें खींचने वाले सपा भाजपा विधायक क्रिकेट मैदान में दोस्त के रूप में नजर आए। मौका था लखनऊ के प्रसिद्ध इकाना स्टेडियम में विधायकों के बीच मैत्री क्रिकेट मैच का। इस दौरान सपा और भाजपा विधायक मिलकर खेले और टीम का नाम बिना रखे ही आपसी एकता का परिचय दिया।

टॉस टीम बी ने जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करने उतरी टीम बी ने 16 ओवर में 9 विकेट खोकर 81 रन बनाए जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम ए ने चार विकेट व 1 ओवर शेष रहते जीत हासिल की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सभी विधायकों के साथ हाथ मिलाकर उनका हौसला अफजाई की और अंत में विजेता टीम ए को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस दौरान सपा विधायक मोहम्मद फहीम इरफान के जन्मदिन के मौके पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने क्रिकेट बैट देकर जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी। इस दौरान क्रिकेट मैच के दौरान टीम ए में कप्तान भाजपा विधायक डॉ सामेंद्र, उपकप्तान भाजपा विधायक दानिश अंसारी, भाजपा विधायक अभिजीत सागर, भाजपा विधायक सुरेंद्र मैथिनी, भाजपा विधायक पीएन पाठक, भाजपा विधायक राजेश शर्मा, भाजपा विधायक प्रकाश, सपा विधायक शोएब अंसारी, सपा विधायक उमर अली खान, सपा विधायक कमल कांत, सपा विधायक कवेंद्र चौधरी व टीम बी में कप्तान सपा विधायक राम सिंह, उप कप्तान सपा विधायक मोहम्मद फहीम इरफान, सपा एमएलसी शाहनवाज अंसारी, सपा विधायक शहजिल इस्लाम, सपा विधायक हिमांशु यादव, सपा विधायक इरफान सोलंकी, भाजपा विधायक पंकज, भाजपा विधायक वीर, भाजपा विधायक लक्ष्मी राज, भाजपा विधायक मनोज, भाजपा विधायक रमेश सिंहा मिश्रित टीम रही। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दोनों टीमों को बधाई दी और कहा कि आपने आज आपसी एकता का परिचय दिया है।

मैत्री मैच में बैटिंग-बॉलिंग में हाथ अजमाकर दिखाया अपना दमखम

फोटो: सुमित कुमार

संघ को लेकर फैलाया जा रहा भ्रम: भागवत

» आरएसएस प्रमुख ने मुस्लिम धर्मगुरुओं से की मुलाकात, सांप्रदायिक नफरत मिटाने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कस्तूरबा गांधी मार्ग वाली मस्जिद पहुंचकर डॉ इमाम उमेर अहमद इलियासी (चीफ इमाम) सहित कई मुस्लिम धर्मगुरुओं और बुद्धिजीवियों से मुलाकात की। मोहन भागवत के साथ संघ प्रचारक इंद्रेश कुमार भी हैं।

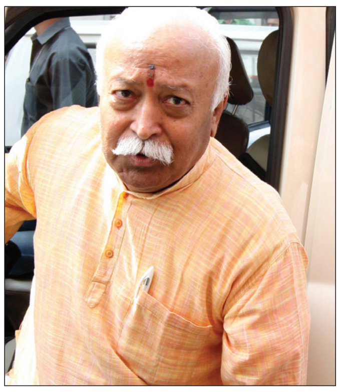

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की मुस्लिम धर्मगुरुओं और बुद्धिजीवियों से मुलाकातें और संवाद अनायास नहीं हैं। यह संघ की उस अहम रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वह मुस्लिम और ईसाइयों से संवाद बढ़ाने पर जोर दे रहा है, ताकि धर्म आधारित गलतफमियों, दूरियों और संवादहीनता को दूर कर राष्ट्र निर्माण में उनकी व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। साथ ही संगठन की पहचान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जा सके। संघ का यह प्रयास खुद के उस सोच के दायरे में है, जिसमें वह हिंदुस्तान में रहने वाले सभी लोगों को 'हिंदू' मानता है। इस नीति को मूर्त रूप देने के लिए संगठन के भीतर चार सदस्यीय समिति बनाई गई है और इसका दायित्व सह सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल व डा मनमोहन वैद्य के साथ ही अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल व वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार को दिया गया है। संघ की ओर से यह कोशिश ऐसे वक्त में हो रही है, जब विपक्षी दलों के राष्ट्रीय नेता उसपर सर्वाधिक आक्रामक हैं और आरोप लगाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इससे बेफिक्र वह अपने प्रयासों में जुटा हुआ है। हाल के दिनों में इस तरह की बैठकें और मुस्लिम धर्मगुरुओं और बुद्धिजीवियों की संघ प्रमुख से मुलाकातें बढ़ी हैं। विशेष बात यह है कि संघ का यह अभिनव प्रयास उसके शताब्दी वर्ष 2024 तक संघ कार्य को देश के एक लाख स्थानों तक पहुंचाने के लक्ष्य के बीच भी है। ज्ञात हो कि संघ कार्य अभी देश के 60 हजार के करीब स्थानों पर ही है। ऐसे में संघ का जोर पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों और कश्मीर जैसे राज्य पर भी है, जहां ईसाई व मुस्लिम समुदाय बहुसंख्य हैं। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि अखिल भारतीय इमाम संगठन के मुख्य इमाम इलियासी साहब ने मोहन भागवत को कई दिन पहले आमंत्रित किया था। आरएसएस के सरसंघचालक हर वर्ग के लोगों से मिलते हैं। यह सामान्य संवाद प्रक्रिया का हिस्सा है। संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी व मामले के जानकार ने कहा कि संगठन का काम जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, वैसे ही दूसरे संप्रदाय से भी लोग आ रहे हैं और संघ को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने के लिए उसे करीब से जानने की कोशिश कर रहे हैं। इन संप्रदायों में भी ऐसे राष्ट्रीय सोच के लोग हैं, जो अपनी पूजा पद्धति और आस्था पर रहते हुए देशहित में साथ आकर काम करना चाहते हैं, इसलिए इस तरह की व्यवस्था की जरूरत महसूस हुई।

हेड कांस्टेबल की बहादुरी का सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमतीनगर विस्तार थाना क्षेत्र स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क की झील में बुधवार को एक युवक का शव मिला था। वहां घूमने आने वालों ने शव पानी में उतराता देख सुरक्षा कर्मियों को सूचना दी। मृतक का शिनाख्त अब तक नहीं हो सकी है। वहीं युवक का शव निकालने पर गोमती नगर विस्तार थाने में तैनात हेड कॉन्स्टेबल के साहस को देख कर इंस्पेक्टर ने सम्मानित किया है। दरअसल, जान की परवाह न कर लाश निकालने के लिए झील में हेड कांस्टेबल राकेश यादव कूद पड़े और शव निकाला। इस पर इंस्पेक्टर गोमतीनगर विस्तार और जनेश्वर मिश्र पार्क चौकी इंचार्ज विवेक चौधरी ने नकद पुरस्कार देकर राकेश को सम्मानित किया। इंस्पेक्टर ने बताया कि जनेश्वर मिश्र पार्क की झील में उतराते शव को निकालने के लिए मौके पर कोई गोता खोर न मिलने पर हेड कॉन्स्टेबल राकेश यादव ने साहस का परिचय देते हुए शव को बाहर निकाला। इनकी बहादुरी को मेरा सलाम।

लंपी बीमारी ने ग्रामीण भारत को नए संकट में डाला: मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश से लेकर यूपी तक में लंपी बीमारी के कारण असंख्य पशुओं की मौत ने ग्रामीण भारत को नए संकट में डाल रखा है।

पशुधन आत्मनिर्भर ग्रामीण जीवन की रीढ़ है इसलिए यूपी व अन्य राज्य सरकारें प्रभावित लोगों को समुचित आर्थिक मदद जरूर करें। उन्होंने कहा कि कृषि प्रधान होने के बावजूद खेती व किसान हित के प्रति सरकारों द्वारा काफी कम ध्यान देना बड़ी चिंता का कारण रहा है किंतु अब उनके उपज की वाजिब कीमत नहीं मिलना, गन्ना किसानों का भारी बकाया व पशुधन की हानि ग्रामीण भारत को त्रस्त कर रहे हैं। सरकार को इस पर तुरंत ध्यान देना चाहिए।

शराब से मौत के मामले में यूपी टॉप पर

» पूरे देश में शराब से हुई मौतों में अलीगढ़ सबसे आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

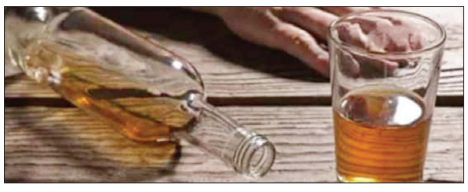

लखनऊ। जहरीली शराब कांड का कलंक अलीगढ़ के नाम से छूट नहीं रहा है और 2021 में अलीगढ़ पूरे देश में शराब से हुई मौतों में अव्वल रहा। 137 मौतों वाले अलीगढ़ के कांड के चलते उत्तर प्रदेश भी सबसे अधिक मौतों वाला राज्य रहा। वर्ष 2021 की एनसीआरबी रिपोर्ट से इसका खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में कुल 782 मौत हुई। 127 मौतों के साथ पंजाब दूसरे और 108 मौत के साथ मध्य प्रदेश तीसरे नंबर पर रहा। वर्ष 2021 में मई माह के अंत में जहरीली शराब कांड की शुरुआत हुई थी। मिलावटी शराब पीने से जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में 109 लोगों मौत हुई थी। इसमें बिहार के मजदूर भी शामिल थे। इस कांड ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। आबकारी अधिकारी सहित कई कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी थी। सबसे अधिक शराब खपत वाले प्रदेशों में शुमार महाराष्ट्र, गोवा में वर्ष 2021 में एक भी मौत जहरीली, मिलावटी शराब के कारण नहीं हुई। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, लद्दाख, पंडुचेरी, लक्षद्वीप, दमन एंड दीप ऐसे राज्य हैं जहां एक भी मौत शराब के चलते नहीं हुई। वहीं, गुजरात और बिहार, जहां शराबबंदी लागू है। इसके बाद भी गुजरात में चार और बिहार में दो मौत शराब के चलते हुई। इन दिनों शराब घोटाले के कारण चर्चाओं में छाई देश की राजधानी दिल्ली में 2021 में 22 मौतें मिलावटी शराब के चलते हुईं। इनमें 21 पुरुष व एक महिला शामिल हैं। देशभर में 2021 में हुई शराब के चलते मौतों के मामलों ने सरकार को चिंता में डाल दिया है। चिंता का विषय यह भी है कि देश में कुल 782 मौतें हुईं, इनमें से 29 महिलाएं भी मृतकों में शामिल रहीं। इसका साफ संकेत है कि महिलाओं में भी शराब की लत बढ़ी है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।